PAPER-III SOCIOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature)	
(Name)	Roll No.
2. (Signature)	(In figures as per admission card)
(Name)	_
	Roll No
D 0 5 1 1	(In words)

Time : $2^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet: 32

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।

Number of Ouestions in this Booklet: 19

- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
 इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है .
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मुल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- जियदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- 7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- िकसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

D-05-11 P.T.O.

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION - I

खंड – ।

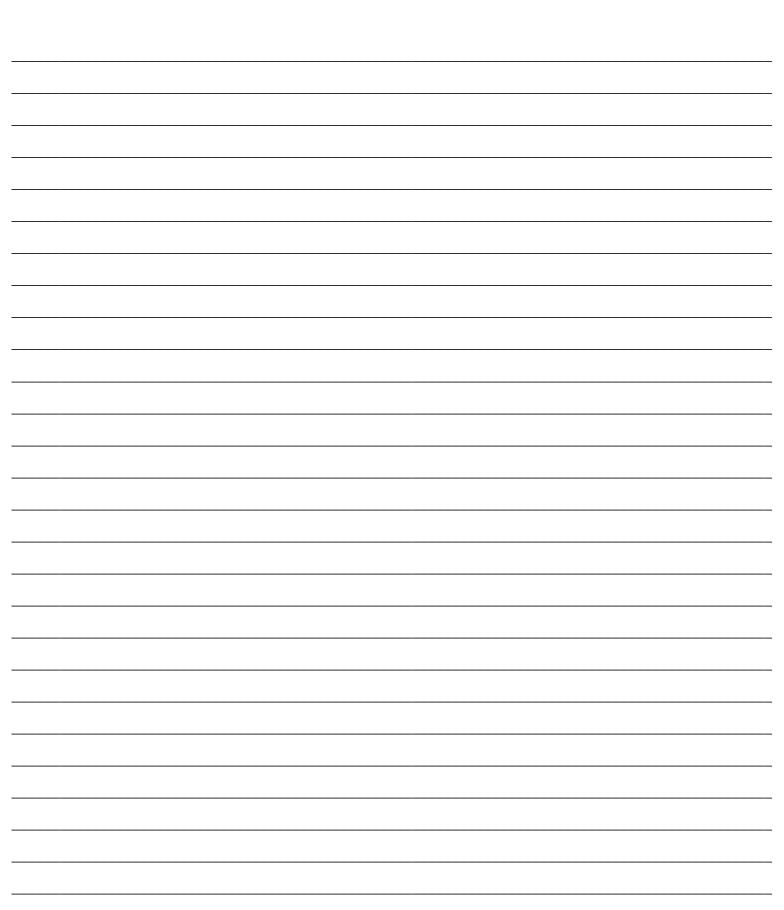
Note: This section consists of **two** essay type questions of **twenty** (20) marks each, to be answered in about **five hundred** (500) words each. $(2 \times 20 = 40 \text{ Marks})$

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । $(2 \times 20 = 40 \text{ अंक})$

1. Corruption in India is disruptive to social development. Discuss. भारत में घूसखोरी सामाजिक विकास का विध्वंस करता है । विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Compulsory primary education to all children upto the age of 15 is necessary for socio-economic progress of Indian society. Argue in favour or against.
15 वर्ष तक की आयु के सभी बालकों के लिए अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा भारतीय समाज के समाज-आर्थिक उन्नित के लिए आवश्यक है। इसके पक्ष अथवा विपक्ष में युक्तियाँ दीजिए।



2.	How pauperization has led to depeasantization in rural India ? Comment. ग्रामीण भारत में निर्धनीकरण से अकृषकीकरण कैसे हुआ ? टिप्पणी कीजिए ।
	OR / अथवा
	Discuss the factors responsible for the growth and development of Trade Unions in pre-independent India. स्वतन्त्रता-पूर्व के भारत में ट्रेड-यूनियनों की उन्नित और विकास के लिए जिम्मेदार तत्त्वों की विवेचना कीजिए।
	OR / अथवा
	The path of mixed economy takes us nowhere near socio-economic development. Discuss. मिली-जुली आर्थिकता का पथ हमें समाजार्थिक विकास के कहीं निकट नहीं ले जा रहा है । विवेचना कीजिए । OR / अथवा
	How does internal migration disturb the population structure of India? Discuss with
	examples. आन्तरिक प्रवास किस प्रकार से भारत की जनसंख्या की संरचना में गड़बड़ी डालता है ? उदाहरण देते हुए विवेचना कीजिए ।
	OR / अथवा
	Evaluate the socio-economic indicators of women's status in India. भारत में स्त्रियों की स्थिति के समाजार्थिक संकेतकों का मूल्यांकन कीजिए ।

SECTION - II

खंड – ॥

Note: This section contains **three** (3) questions. From each of the electives/specializations, the candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the **three** questions from it. Each question carries **fifteen** (15) marks and is to be answered in about **three hundred** (300) words. (3 × 15 = 45 Marks)

नोट: इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से तीन (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक प्रश्न पन्द्रह (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3 × 15 = 45 अंक)

Elective – I / विकल्प – I Rural Sociology / ग्रामीण समाज

- 3. Discuss in brief various approaches to the study of rural society. ग्रामीण समाज के अध्ययन के लिए विभिन्न गमन-मार्गों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए ।
- 4. Discuss about the types of land ownership in rural India. ग्रामीण भारत में भूमि स्वामित्व के प्रकारों का विवेचन कीजिए ।
- 5. Define Jajmani System. Discuss the factors responsible for changes in the Jajmani System.
 जजमानी प्रथा की परिभाषा दीजिए । जजमानी प्रथा में परिवर्तनों के तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए ।

Elective – II / विकल्प – II Industry and Society / उद्योग एवं समाज

- 3. Discuss briefly the patterns of industrial bureaucracy. औद्योगिक अधिकारी-तन्त्र के प्रतिमानों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।
- 4. Discuss the role of trade unions in maintaining industrial relations. औद्योगिक सम्बन्धों को बनाये रखने में ट्रेड-यूनियनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
- 5. Analyse the importance of Hawthorne experiments in understanding human relations in industry.

 उद्योगों में मानवीय सम्बन्धों को समझने के लिए होथोर्न प्रयोगों के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए ।

Elective – III / विकल्प – III Sociology of Development / विकास का समाजशास्त्र

- 3. Explain how ecology plays an important role in sustainable development. वहनीय विकास में परिवेश किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है ? स्पष्ट कीजिए ।
- 4. Give a critique of Wallerstein's understanding of underdevelopment. वालरस्टीन ने न्यून विकास को क्या जाना, इस बारे में गुणों-अवगुणों की समीक्षा कीजिए ।
- 5. Did Mahatma Gandhi advocate modernisation of Indian society? Explain in brief. क्या महत्मा गांधी ने भारतीय समाज के आधुनिकीकरण की वकालत की ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ।

Elective – IV / विकल्प – IV Population and Society / जनसंख्या एवं समाज

- 3. Critically examine "Demographic Transition" in India. "भारत में जनसांख्यिको संक्रमण" का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए ।
- 4. Analyse the Statewise variations in Indian Infant Mortality Rate. विभिन्न राज्यों में भारतीय शिश् मृत्यु दर में अन्तर का विश्लेषण कीजिए ।
- 5. Discuss briefly the problems of population education in India. जनसंख्या सम्बन्धी शिक्षा की समस्याओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए ।

Elective – V / विकल्प – V Gender and Society / लिंग एवं समाज

- 3. Explain how culture influences gender role construction in India. भारत में संस्कृति किस प्रकार लैंगिक भूमिका की संरचना को प्रभावित करती है ? स्पष्ट कीजिए ।
- 4. Evaluate the factors responsible for gender inequality in India. भारत में लेंगिक असमानता के लिए जिम्मेदार घटकों का मुल्यांकन कीजिए ।
- 5. Examine the role of self help groups in women empowerment. स्त्री सशक्तिकरण में स्व:सहायता समूहों की भूमिका की परीक्षा कीजिए ।

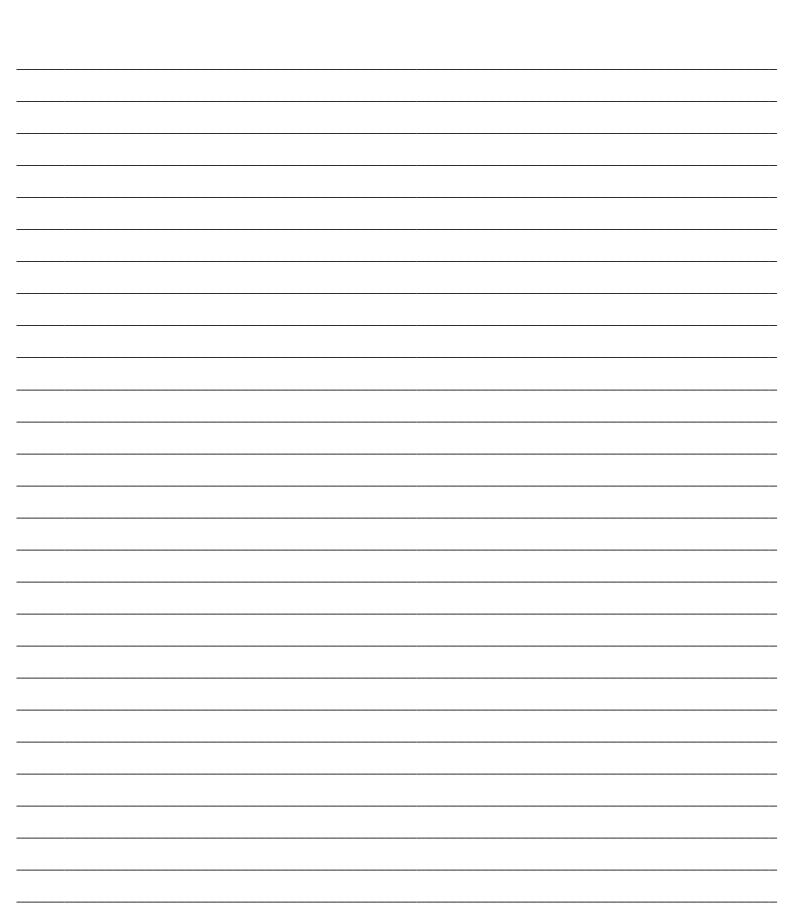
	 	 	·





_





SECTION – III खंड – III

note:	about fifty (50) words. (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in $(9 \times 10 = 90 \text{ Marks})$
नोट :	इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । (9 × 10 = 90 अंक)
6.	Explain Peter Berger's idea of phenomenology. पीटर बैरगर के घटना क्रिया विज्ञान (फीनोमिनोलॉजी) सम्बन्धी विचार को स्पष्ट कीजिए ।
7.	Examine Habermass's views on Neo-Marxism. हेबरमास के नव-मार्क्सवाद के विचारों का परीक्षण कीजिए ।

8.	Explain the concept of structuration. संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
 	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें ।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।
	संरचनीकरण की अवधारणा का वर्णन करें।

9.	What contributes to the unity of diverse Indian society ? विविध भारतीय समाज में एकता कैसे आती है ?
10.	Bring out Srinivas's contribution to structural-functional perspective. संरचनात्मक - व्यावहारिक परिदृश्य में श्रीनिवास के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

11.	What are the causes for gender inequality in India ? भारत में लैंगिक असमानता के क्या कारण हैं ?
12.	Briefly describe the problems of displaced population. विस्थापित जनसंख्या की समस्याओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

13.	Examine the causes for white collar crime in India. भारत में सफेदपोश अपराध के कारणों का परीक्षण कीजिए ।
	मारत म सम्भूयारा अयराव का वगरणा वग यरादाण वगाण्य ।

14.	शिक्षा के निजीकरण के परिणामों को स्पष्ट कीजिए ।
	रिद्या के मिलाकरण के वारणाचा का रवच्च कामिल्य

SECTION - IV

खंड - IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । (5 × 5 = 25 अंक)

In observing the social change going on around him, Durkheim thought that the chaos he discerned was caused by the lack of an appropriate moral order for the conditions newly brought about by the industrial and nationalist revolutions. He reasoned that a new moral order was necessary in order to produce social order under these circumstances. He felt that it was sociology's task to help discover the principles of social change and social order, and that social theory would then be able to dictate social practice and develop the new moral order.

How should sociologists go about developing this new moral order? This was the same question that Saint-Simon had asked, and Durkheim was impressed with Saint-Simon's work. Saint-Simon was one of the first to argue that morality could be developed scientifically and, like him, Durkheim said that the proper method for sociology was the scientific method.

Durkheim's study of suicide is often held up as a model of scientific research in sociology. In his book, Suicide, he compared data from different countries, different religions, different periods of history, different times of the day and year, and so on. There were variations within religions as well as between religions and between married and unmarried people and the like. Durkheim concluded that suicide was a social phenomenon; it was not caused by individual distress (such as alcoholism or mental illness) or by environmental factors, such as climate, geographical location, or the season of the year. Different social environments exert different amounts of pressure on individuals thus promoting certain kinds of behaviour and inhibiting others. Protestants, for example, are freer of the control of the church than are Catholics; but one of the prices Protestants pay for that increased freedom is an increased probability of suicide. Similarly, when political or economic crises decrease the unity or cohesion of a society, individuals are under less pressure from society's rules and are more likely to commit suicide. In short, the more an individual is integrated into intimate social groups, the lower is the probability that he or she will commit suicide.

Durkheim's premise that social facts are things, makes it possible for sociologists to get outside of what they are looking at – just as the chemist is outside of the test tube – and thus study social life scientifically.

अपने आसपास होनेवाले सामाजिक परिवर्तन को देखते हुए दुर्खीम ने यह विचार किया कि जो विशृंखलता उसे दिखाई देती है वह इस कारण से है कि औद्योगिक एवं राष्ट्रवादी क्रान्तियों द्वारा पैदा की गई दशाओं के अनुरूप उपयुक्त नैतिक ढाँचे की कमी है । उन्होंने तर्क दिया कि इन परिस्थितियों में सामाजिक ढाँचा खड़ा करने के लिए नवीन नैतिक अनुशासन आवश्यक है । उन्होंने यह अनुभव किया कि यह समाजशास्त्र का कार्य है जिसे सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक अनुशासन के सिद्धान्तों को ढूंढने में सहायता करनी चाहिए और तब वे सामाजिक व्यवहार को अधिप्रेरित कर सकेंगे ।

इस नव नैतिक अनुशासन को समाज-शास्त्री कैसे विकिसत करें ? यह वही प्रश्न था जो सेंट साइमन ने पूछा था, और दुर्खीम सेंट साइमन के कार्य से बहुत प्रभावित था । साइमन पहले व्यक्तियों में से था जिसने यह युक्ति की थी कि नैतिकता को वैज्ञानिकता से विकिसत किया जा सकता है । उसी की भाँति दुर्खीम ने कहा कि समाज-शास्त्र को विकिसत करने का उचित ढंग वैज्ञानिक ढंग ही है ।

दुर्खीम का आत्महत्या अध्ययन को समाज-शास्त्र में वैज्ञानिक अनुसंधान का मॉडल माना जाता है 'सुइसाइड' (आत्महत्या) नामक उनकी पुस्तक में उन्होंने भिन्न-भिन्न देशों, धर्मों, इतिहास के विभिन्न कालों और दिन वर्ष के विभिन्न समयों की सामग्री का तुलनात्मक अध्ययन किया । एक धर्म के लोगों के अन्तर्गत और धर्मों के व्यक्तियों के बीच और विवाहित तथा अविवाहितों के बीच भिन्नता थी । दुर्खीम इस निर्णय पर पहुँचा कि आत्महत्या एक सामाजिक घटना है जो केवल वैयक्तिक क्लेश (मद्यपान अथवा मानसिक रुग्णता वश नहीं) अथवा पर्यावरणीय कारणों यथा भौगोलिक स्थिति अथवा वर्ष में आने वाले मौसमों के कारण नहीं की जाती । भिन्न-भिन्न सामाजिक व्यवस्थाएँ किसी व्यक्ति पर भिन्न-भिन्न मात्रा में दबाव डालती हैं जिससे किसी विशेष प्रकार के व्यवहार को बढ़ावा मिलता है और विशेष प्रकार का व्यवहार दब जाता है ।

उदाहरणतया प्रोटेस्टेंट, कैथोलिकों की तुलना में धर्म की दृष्टि से अधिक स्वतन्त्र हैं । मगर इस बढ़ी स्वतन्त्रता के लिए जो कीमत प्रोटेस्टेण्टों को चुकानी पड़ती है वह यह कि उनमें आत्महत्या की सम्भाव्यता में वृद्धि हो जाती है । इसी प्रकार, जब राजनैतिक अथवा आर्थिक संकट किसी समाज की एकता अथवा एकजुटता को कम करते हैं, व्यक्ति तब समाज के नियमों के दबाव में कम होते हैं और उनमें आत्महत्या करने की सम्भावना अधिक हो जाती है । संक्षेप में, जब व्यक्ति अपने सामाजिक समूह में घुलिमल जाते हैं तो उनमें यह संभावना कम हो जाती है कि वे आत्महत्या करेंगे ।

दुर्खीम का विश्वास है कि सामाजिक तथ्य वे वस्तुएँ हैं जो समाज-शास्त्रियों के लिए यह संभव बनाती हैं कि वे उस अपेक्षित समस्या को पार कर सकें जैसे कि एक रसायन-विज्ञानी टेस्ट ट्यूब से बाहर आता है – और इस प्रकार सामाजिक जीवन को वैज्ञानिकता से अध्ययन करें ।

15.	What is the reason for chaos in society ? समाज में विशृंखलता का क्या कारण है ?
16.	What is the task of sociology according to Durkheim ? दुर्खीम के अनुसार समाज-शास्त्र का क्या कार्य है ?

17.	How Durkheim's study of suicide is considered a model of scientific research in sociology? दुर्खीम के आत्महत्या सम्बन्धी अध्ययन को समाजशास्त्र में अनुसंधान का मॉडल कैसे माना जाता है ?
18.	Under what circumstances a person commits suicide ? किन परिस्थितियों में कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है ?

19.	How suicide is a social phenomenon ? आत्महत्या किस प्रकार सामाजिक संवृति है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question Number	Marks Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		

Total Marks Obtained (in wor	rds)
(in figu	ıres)
Signature & Name of the Coo	rdinator
(Evaluation)	Date